“गुरुकुल परंपरा-आदर्श शिक्षा पद्धति की खोज” पर व्याख्यान आयोजित

- **नई शिक्षा नीति के तारतम्य में रोचक व्याख्यान**
- **सांची विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा ऑनलाइन आयोजन**
- **सांची विश्वविद्यालय में 3-4 अगस्त 2020 को संस्कृत सप्ताह का यूट्यूब पर लाइव प्रसारण**
- **बैंगलोर एवं त्रिपुरा विश्वविद्यालय के कुलपति होंगे मुख्य वक्ता**

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस उपलक्ष में 3-4 अगस्त, 2020 को विश्वविद्यालय के यूट्यूब चैनल पर दो दिवसीय व्याख्यानमाला लाइव आयोजित होगी। केंद्र सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति की घोषणा की गई है। इसी तारतम्य में व्याख्यानमाला के प्रथम दिवस 3 अगस्त को “गुरुकुल परंपरा-आदर्श शिक्षा पद्धति की खोज” विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान देंगे प्रो. रामचंद्र कोठमने। प्रो. कोठमने, बैंगलोर के स्वामी विवेकानंद योगानुसंधान विश्वविद्यालय के कुलपति हैं तथा भारतीय शिक्षा मंडल के गुरुकुल प्रकल्प के प्रमुख भी हैं। प्रात: 11 बजे लाइव आयोजित होने वाले इस व्याख्यान में त्रिपुरा- अगरतला के वीरविक्रम विश्वविद्यालय के प्रो. सत्यदेव पोद्दार भी अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

सांची विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित इस व्याख्यानमाला के द्वितीय दिवस यानी 4 अगस्त 2020 को “वर्तमान परिप्रेक्ष्य में संस्कृत की प्रासंगिकता” विषय पर दिल्ली की संस्था संस्कृत भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री दिनेश कामत प्रमुख वक्ता होंगे। इस विषय पर धर्मशाला के हिमाचल केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. कुलदीप अग्निहोत्री भी अपने उद्गार प्रस्तुत करेंगे। इस द्वितीय दिवस के सत्र के अध्यक्ष सांची विश्वविद्यालय के कुलपति एवं मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव श्री शिव शेखर शुक्ला होंगे जबकि 3 अगस्त, 2020 को आयोजित होने वाले व्याख्यान के अध्यक्ष सांची विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं संस्कृति संचालनालय के संचालक श्री अदिति कुमार त्रिपाठी होंगे। द्वितीय दिवस भी सत्र प्रात: 11 बजे लाइव प्रसारित किया जाएगा।

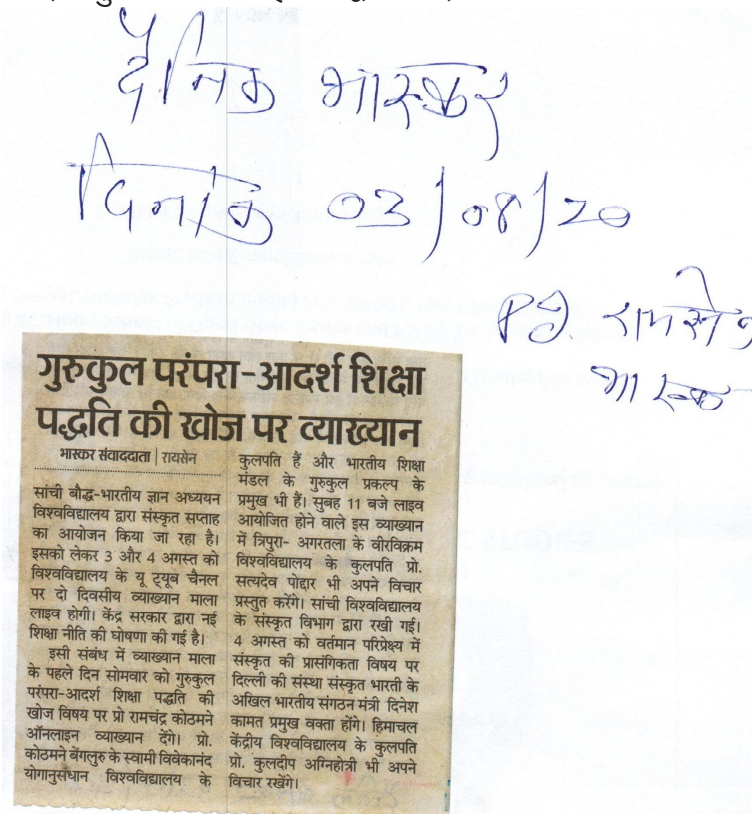

दैनिक भास्कर
दिनांक 03/08/20

गुरुकुल परंपरा-आदर्श शिक्षा पद्धति की खोज पर व्याख्यान

भास्कर संवाददाता | रायसेन

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसको लेकर 3 और 4 अगस्त को विश्वविद्यालय के यू ट्यूब चैनल पर दो दिवसीय व्याख्यान माला लाइव होगी। केंद्र सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति की घोषणा की गई है।

इसी संबंध में व्याख्यान माला के पहले दिन सोमवार को गुरुकुल परंपरा-आदर्श शिक्षा पद्धति की खोज विषय पर प्रो रामचंद्र कोठमने ऑनलाइन व्याख्यान देंगे। प्रो. कोठमने बेंगलुरु के स्वामी विवेकानंद योगानुसंधान विश्वविद्यालय के कुलपति हैं और भारतीय शिक्षा मंडल के गुरुकुल प्रकल्प के प्रमुख भी हैं। सुबह 11 बजे लाइव आयोजित होने वाले इस व्याख्यान में त्रिपुरा- अगरतला के वीरविक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यदेव पोद्दार भी अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। सांची विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा रखी गई। 4 अगस्त को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में संस्कृत की प्रासंगिकता विषय पर दिल्ली की संस्था संस्कृत भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री दिनेश कामत प्रमुख वक्ता होंगे। हिमाचल केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कुलदीप अग्निहोत्री भी अपने विचार रखेंगे।

“गुरुकुल परंपरा-आदर्श शिक्षा पद्धति की खोज” पर व्याख्यान आयोजित

- **नई शिक्षा नीति के तारतम्य में रोचक व्याख्यान**
- **सांची विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा ऑनलाइन आयोजन**
- **सांची विश्वविद्यालय में 3-4 अगस्त 2020 को संस्कृत सप्ताह का यूट्यूब पर लाइव प्रसारण**
- **बैंगलोर एवं त्रिपुरा विश्वविद्यालय के कुलपति होंगे मुख्य वक्ता**

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस उपलक्ष में 3-4 अगस्त, 2020 को विश्वविद्यालय के यूट्यूब चैनल पर दो दिवसीय व्याख्यानमाला लाइव आयोजित होगी। केंद्र सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति की घोषणा की गई है। इसी तारतम्य में व्याख्यानमाला के प्रथम दिवस 3 अगस्त को “गुरुकुल परंपरा-आदर्श शिक्षा पद्धति की खोज” विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान देंगे प्रो. रामचंद्र कोठमने। प्रो. कोठमने, बैंगलोर के स्वामी विवेकानंद योगानुसंधान विश्वविद्यालय के कुलपति हैं तथा भारतीय शिक्षा मंडल के गुरुकुल प्रकल्प के प्रमुख भी हैं। प्रात: 11 बजे लाइव आयोजित होने वाले इस व्याख्यान में त्रिपुरा- अगरतला के वीरविक्रम विश्वविद्यालय के प्रो. सत्यदेव पोद्दार भी अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

सांची विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित इस व्याख्यानमाला के द्वितीय दिवस यानी 4 अगस्त 2020 को “वर्तमान परिप्रेक्ष्य में संस्कृत की प्रासंगिकता” विषय पर दिल्ली की संस्था संस्कृत भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री दिनेश कामत प्रमुख वक्ता होंगे। इस विषय पर धर्मशाला के हिमाचल केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. कुलदीप अग्निहोत्री भी अपने उद्गार प्रस्तुत करेंगे। इस द्वितीय दिवस के सत्र के अध्यक्ष सांची विश्वविद्यालय के कुलपति एवं मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव श्री शिव शेखर शुक्ला होंगे जबकि 3 अगस्त, 2020 को आयोजित होने वाले व्याख्यान के अध्यक्ष सांची विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं संस्कृति संचालनालय के संचालक श्री अदिति कुमार त्रिपाठी होंगे। द्वितीय दिवस भी सत्र प्रात: 11 बजे लाइव प्रसारित किया जाएगा।

आप व्याख्यान को लाइव देखने के लिए इस लिंक पर क्लिक कर सकते हैं। https://www.youtube.com/channel/UCflYxaf4m_bnL6wmWnVH-eg

इस लिंक के माध्यम से इन विषयों पर आप अपने विचार भी लिख कर साझा कर सकते हैं।

भारतीय शिक्षा के माध्यम से होगा समग्र विकास

- सांची विश्वविद्यालय ने जारी किए दो नए पाठ्यक्रम
- योग विज्ञान और भारतीय शिक्षा व समग्र विकास के पाठ्यक्रम
- सांची विश्वविद्यालय ने जारी की ऑनलाइन प्रवेश सूचना
- ऑनलाइनआवेदन करने की अंतिम तिथि 21 सितंबर, 2020

अगर आप **'योग विज्ञान'** में मास्टर डिग्री कोर्स करना चाहते हैं तो ये आपके लिए सुनहरा मौका हो सकता है....और यदि आप अपने अंदर भारतीयता से परिपूर्ण एक संपूर्ण व्यक्तित्व विकसित करना चाहते हैं तो आपके लिए **'भारतीय शिक्षा और समग्र विकास'** का पाठ्यक्रम फायदेमंद साबित हो सकता है।

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय ने मास्टर डिग्री, एम.फिल शिक्षा हासिल करने के लिए दो नए पाठ्यक्रम जारी किए हैं। इन पाठ्यक्रमों और अन्य दूसरे पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए आपको ऑनलाइन आवेदन करना होगा। भारतीय शिक्षा और समग्र विकास में मास्टर डिग्री के अलावा एक वर्ष का पीजी डिप्लोमा का पाठ्यक्रम भी उपलब्ध है।

सांची विश्वविद्यालय द्वारा जारी की गई प्रवेश सूचना 2020-21 में भारतीय दर्शन, बौद्ध अध्ययन, वैदिक अध्ययन, संस्कृत, चीनी भाषा, इंडियन पेंटिंग, हिंदी, अंग्रेज़ी और पाली भाषा एवं साहित्य के पाठ्यक्रम भी उपलब्ध हैं।

पाली भाषा एवं साहित्य के पाठ्यक्रम के माध्यम से आप बौद्ध काल में पाली भाषा में लिखे गए ग्रंथों का अध्ययन करने में सक्षम हो सकते हैं।

सांची विश्वविद्यालय द्वारा जारी पाठ्यक्रमों में छह माह के सर्टिफिकेट कोर्स और एक वर्ष के डिप्लोमा कोर्स भी हैं। भारतीय चित्रकारी में यदि आपकी रुचि है तो आप इंडियन पेंटिंग्स में मास्टर ऑफ फाइन आर्ट(एम.एफ.ए) का कोर्स भी कर सकते हैं। विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु छात्र 21 सितंबर 2020 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। छात्रों को मेरिट के आधार पर एम.ए, एम.फिल, एम.एस.सी, एम.एफ.ए पाठ्यक्रम में मात्र साक्षात्कार के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। साक्षात्कार 29 एवं 30 सितंबर को आयोजित होंगे।

दिनांक 23/09/2020
रायसेन पत्रिका

कार्यक्रम: सांची विश्वविद्यालय ने जारी किए दो नए पाठ्यक्रम

सांची विवि में अब योग विज्ञान और भारतीय शिक्षा

छात्र 21 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रायसेन. अगर आप योग विज्ञान में मास्टर डिग्री कोर्स करना चाहते हैं तो ये आपके लिए सुनहरा मौका हो सकता है और यदि आप अपने अंदर भारतीयता से परिपूर्ण एक संपूर्ण व्यक्तित्व विकसित करना चाहते हैं तो आपके लिए भारतीय शिक्षा और समग्र विकास का पाठ्यक्रम फायदेमंद साबित हो सकता है। सांची बौद्ध, भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि ने मास्टर डिग्री, एमफिल शिक्षा हासिल करने के लिए दो नए पाठ्यक्रम जारी किए हैं। इन पाठ्यक्रमों और अन्य दूसरे पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। भारतीय शिक्षा और समग्र विकास में मास्टर डिग्री के अलावा एक वर्ष का पीजी डिप्लोमा का पाठ्यक्रम भी शुरू किया गया है। सांची विवि द्वारा जारी की गई प्रवेश सूचना 2020-21 में भारतीय दर्शन, बौद्ध अध्ययन, वैदिक अध्ययन, संस्कृत, चीनी भाषा, इंडियन पेंटिंग, हिंदी, अंग्रेज़ी और पाली भाषा एवं साहित्य के पाठ्यक्रम भी उपलब्ध हैं। विवि द्वारा जारी पाठ्यक्रमों में छह माह के सर्टिफिक्रेट कोर्स और एक वर्ष के डिप्लोमा कोर्स भी हैं। विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए छात्र 21 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। मेरिट के आधार पर एमए एमफिल, एमएससी, एमएफ पाठ्यक्रम में मात्र साक्षात्कार के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। साक्षात्कार 29 एवं 30 सितंबर को आयोजित होंगे।

‘अपना पाठ्यक्रम स्वयं तय कर सके छात्र’

- प्रमुख सचिव संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव ने किया विश्वविद्यालय का दौरा
- सांची विश्वविद्यालय के नए सत्र के लिए जारी किए पाठ्यक्रमों के बारे में जाना
- श्री शिव शेखर शुक्ला ने किया विश्वविद्यालय का दौरा
- ऑनलाइनआवेदन करने की अंतिम तिथि 21 सितंबर, 2020

मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव श्री शिव शेखर शुक्ला ने सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का दौरा किया। श्री शिव शेखर शुक्ला ने विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण किया और छात्रों तथा शिक्षकों और कर्मचारियों से मुलाकात की। छात्रों से विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों और सुविधाओं के विषय में जानकारी ली। श्री शुक्ला ने छात्रावास, मैस, गेस्टहाउस, रेसिडेंशियक क्वार्टर्स में जाकर व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया।

विश्वविद्यालय के छात्रों से मुलाकात के पश्चात उन्होंने केंद्रीय लाइब्रेरी में पुस्तकों के बारे में जानकारी ली और वहां की व्यवस्थाओं के बारे में जाना। प्रमुख सचिव श्री शिव शेखर शुक्ला ने विश्वविद्यालय प्राध्यपकों के साथ बैठक की और विश्वविद्यालय द्वारा प्रारंभ किए गए नए पाठ्यक्रमों के विषय में जाना।

दरअसल, विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश सूचना जारी की गई है और ऑनलाइन एडमिशन की अंतिम तिथि 21 सितंबर है। ऐसे में छात्र प्रवेश की प्रक्रिया, पीएचडी कोर्स के लिए गाइडलाइन्स इत्यादि के बारे में लगातार प्रश्न कर रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा योग विज्ञान और भारतीय शिक्षा और समग्र विकास के दो पाठ्यक्रम अकादमिक सत्र 2020-21 से प्रारंभ किए जा रहे हैं।

प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों और प्रवेश के संबंध में कहा कि ऐसे प्रयास किए जाएं कि अधिक से अधिक छात्र ऑनलाइन प्रवेश के माध्यम से वि.वि के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लें। शिक्षकों के साथ की गई बैठक में श्री शुक्ल ने विश्वविद्यालय के विभन्न पाठ्यक्रमों को interdisciplinary बनाए जाने पर ज़ोर दिया। उनका कहना था कि किसी भी विश्वविद्यालयीन छात्र को यह स्वतंत्रता होनी चाहिए कि वह अपनी रुचि के अनुसार अपना पाठ्यक्रम स्वयं ही तय कर सके। ऐसे में छात्र का मन पढ़ाई में लग सकेगा और भविष्य में वह अपने द्वारा चयनित विषयों पर आगे अपना करिअर तय कर सकता है। उन्होंने कहा कि मास्टर डिग्री में ही इस प्रक्रिया को प्रारंभ करने की कार्रवाई की जाए। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता महोदय श्री ओ.पी बुधोलिया एवं अन्य प्राध्यापकों ने आश्वासन दिलाया कि अगले प्रवेश सत्र से interdisciplinary विषयों के तहत ही एडमिशन प्रक्रिया की जाएगी।

दिनांक 28/08/2020
पत्रिका रायसेन पृष्ठ

प्रमुख सचिव ने ली जानकारी

'छात्र को स्वतंत्रता हो, ताकि अपना पाठ्यक्रम खुद तय करे'

प्रमुख सचिव संस्कृति विभाग ने किया सांची विवि का दौरा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रायसेन. मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव शिव शेखर शुक्ला ने सांची बौद्ध, भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का दौरा किया। शुक्ला ने कुलसचिव अदिति कुमार त्रिपाठी के साथ विश्वविद्यालय परिसर के भ्रमण के दौरान छात्रों तथा शिक्षकों से विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों और सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने छात्रावास, मेस, गेस्टहाउस, आवासीय क्वार्टर्स की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

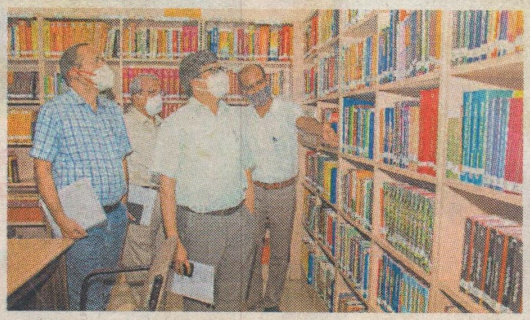

रायसेन. पुस्तकालय का किया निरीक्षण।

शिक्षकों के साथ बैठक में शुक्ला ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय के छात्र को यह स्वतंत्रता होनी चाहिए कि वह अपनी रुचि के अनुसार अपना पाठ्यक्रम स्वयं ही तय कर सके। ऐसे में छात्र का मन पढ़ाई में लग सकेगा और भविष्य में वह अपने द्वारा चयनित विषयों पर आगे अपना कॅरिअर तय कर सकता है। उन्होंने कहा कि मास्टर डिग्री में ही इस प्रक्रिया को प्रारंभ करने की कार्रवाई की जाए। विश्वविद्यालय के छात्रों से मुलाकात के बाद प्रमुख सचिव और विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति शुक्ला ने केंद्रीय लाइब्रेरी में पुस्तकों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अकादमिक गतिविधियों और विश्वविद्यालय द्वारा प्रारंभ किए गए नए पाठ्यक्रमों के बारे में जाना।

अंतिम तिथि 21 सितंबर

विश्वविद्यालय द्वारा अकादमिक सत्र 2020-21 की प्रवेश सूचना जारी की गई है, जिसके अनुसार ऑनलाइन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 21 सितंबर है। विश्वविद्यालय द्वारा योग विज्ञान और भारतीय शिक्षा और समग्र विकास के दो पाठ्यक्रम इस सत्र से प्रारंभ किए जा रहे हैं।

दै. भास्कर 28.08.

प्रमुख सचिव ने विवि का भ्रमण कर कहा अच्छे कोर्स और सुविधाएं कराएं उपलब्ध

सांची विश्वविद्यालय के नए सत्र के लिए जारी किए पाठ्यक्रमों के बारे में जाना

भास्कर संवाददाता | रायसेन

संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव शिव शेखर शुक्ला ने सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का दौरा किया। शुक्ला ने कुलसचिव अदिति कुमार त्रिपाठी के साथ विश्वविद्यालय परिसर के भ्रमण के दौरान छात्रों तथा शिक्षकों से विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों और सुविधाओं की जानकारी ली। शुक्ला ने छात्रावास, मैस, गेस्ट हाउस, आवासीय क्वार्टर्स की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया।

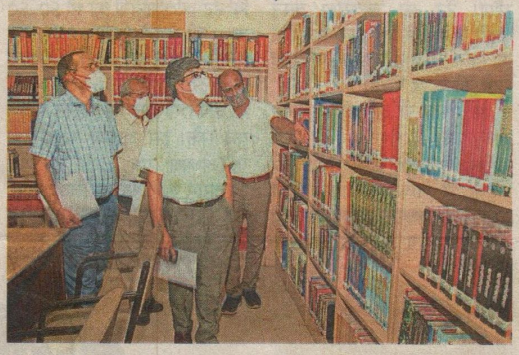

सांची बौद्ध विश्वविधालय का प्रमुख सचिव शिवशेखर शुक्ला ने किया भ्रमण

कुलपति एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव शिव शेखर शुक्ला ने विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों और प्रवेश के संबंध में कहा कि ऐसे प्रयास किए जाएं कि अधिक से अधिक छात्र ऑनलाइन प्रवेश के माध्यम से विवि के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लें। शिक्षकों के साथ की गई बैठक में शुक्ल ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालयीन छात्र को यह स्वतंत्रता होनी चाहिए कि वह अपनी रुचि के अनुसार अपना पाठ्यक्रम स्वयं ही तय कर सके। ऐसे में छात्र का मन पढ़ाई में लग सकेगा और भविष्य में वह अपने द्वारा चयनित विषयों पर आगे अपना करिअर तय कर सकता है। उन्होंने कहा कि मास्टर डिग्री में ही इस प्रक्रिया को प्रारंभ करने की कार्रवाई की जाए। विश्वविद्यालय के ओपी बुधोलिया एवं अन्य प्राध्यापकों ने आश्वासन दिलाया कि अगले प्रवेश सत्र से 4 विषयों के तहत ही एडमिशन प्रक्रिया की जाएगी।

लाइब्रेरी में ली किताबों की जानकारी

विश्वविद्यालय के छात्रों से चर्चा के बाद प्रमुख सचिव और विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति शुक्ला ने केंद्रीय लाइब्रेरी में पुस्तकों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने विश्वविद्यालय प्राध्यापकों के साथ बैठक में अकादमिक गतिविधियों और विश्वविद्यालय द्वारा प्रारंभ किए गए नए पाठ्यक्रमों के बारे में भी जाना।

रायसेन भास्कर दिनांक 28/8/2020